Prakash (Jharkhand), Dr. Kanimozhi NVN Somu and Shri Ram Chander Jangra (Haryana).

This is an important issue. I discussed with floor leaders so that a voice from this august Chamber can go to the entire world. Now, Shri Prakash chik Baraik.

Issue of Provident Fund of North Bengal Tea belt

श्री प्रकाश चिक बाराईक (पश्चिमी बंगाल): सम्माननीय सभापति महोदय, प्रोविडेंट फंड को आधार से जोड़ने की अनिवार्यता के कारण पश्चिमी बंगाल के चाय बागान श्रमिकों को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस नीति के कारण कर्मचारियों को पेंशन की असुविधा हो रही है और प्रोविडेंट फंड की धनराशि हम लोगों को नहीं मिल रही है।

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair*.)

महोदय, मैं खुद चाय श्रमिक हूं और चाय बागान का वर्कर हूं। मैं आदिवासी सम्प्रदाय से आता हूं। इसके कारण से 58 साल के बाद चाय बागानों में जो रिटायरमेंट होती है, उस रिटायरमेंट के बाद हम लोगों को प्रोविडेंट फंड का पैसा नहीं मिलता है एवं हमें विभिन्न प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। पश्चिमी बंगाल सरकार की माननीय मुख्य मंत्री के सहयोग से बहुत सारे काम, चाय श्रमिकों एवं ग्रामीण चाय मजदूरों के लिए किए गए हैं, जैसे क्रेच, अस्पताल की व्यवस्था, भूमि अधिग्रहण बिल, भूमि का पट्टा देने से लेकर बिना पैसे में राशन, बिना पैसे में स्वास्थ्य एवं विभिन्न प्रकार की परियोजनाएं पश्चिमी बंगाल सरकार की माननीय मुख्य मंत्री की ओर से चाय श्रमिकों के लिए चलाई गई हैं। लेकिन आधार लिंक कंपल्शन के कारण पैसा नहीं मिल रहा है एवं इस मिसमैच के कारण जो गरीब चाय श्रमिक हैं, वे पैसा नहीं पा रहे हैं, पेंशन नहीं पा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्रालय को अवगत कराना चाहता हूं कि इसे जल्द से जल्द ठीक करें एवं पश्चिमी बंगाल के प्रति केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह की अवहेलना की नीति अपनाई जाती है, उसको विभिन्न प्रकार के सोर्सेज के माध्यम से ठीक किया जाए। चाय की plucking करने से मजदूरों की, महिला मजदूरों की अंगुलियाँ छिल जाती हैं। ऐसे में आधार की मोनिटरिंग नहीं हो सकती है, मशीन मोनिटरिंग नहीं कर सकती है। इसके साथ ही बहुत से ग्रामीण इलाके हैं, जहाँ पर नेटवर्क की समस्या है और उन्हें उस सुविधा के लिए भी देखना पड़ता है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आधार के कारण जो समस्या है, उसे ठीक करें एवं जब तक ऑनलाइन सब्मिशन नहीं होता है, तब तक- ऑफलाइन सुविधा को कंटीन्यू रखें, क्योंकि ग्रामीण एवं गरीब श्रमिकों को इससे असुविधा हो रही है।

महोदय, 100-150 सालों से हमारी जमीन के पट्टे की जो डिमांड थी, राज्य सरकार की माननीय मुख्य मंत्री ममता बनर्जी जी ने 10 एवं 11 दिसम्बर को अलीपुर द्वार एवं जलपाईगुड़ी में एक व्यवस्था पास कर दी एवं प्रत्येक चाय श्रमिक को जमीन का पट्टा दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें घर बनाने के लिए भी 1 लाख, 20 हज़ार रुपये दिए जा रहे हैं, जो सराहनीय हैं। महोदय,

भारत में केवल पश्चिमी बंगाल में चाय का प्रॉडक्शन नहीं होता है, बल्कि और स्टेट्स में भी होता है, जहाँ मजदूरों को ये सुविधाएं नहीं मिलती हैं। मैं आपके माध्यम से इस मैटर को संशोधित करने के लिए कह रहा हूं एवं मंत्रालय से भी कह रहा हूं कि इस मैटर को जल्द से जल्द ठीक किया जाए ताकि चाय श्रमिकों को इसकी सुविधा मिले। सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिंद, जय माँ, माटी, मानुष।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Prakash Chik Baraik: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Ms. Dola Sen (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Dr. Kanimozhi NVN Somu Dr. John Brittas (Kerala) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

प्रकाश चिक बाराईक जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय डा. अमर पटनायक, 'Demand for setting up an Indian Maritime University Campus in Odisha'.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I am speaking in Odia.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please.

Demand for setting up an Indian Maritime University Campus in Odisha

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I am speaking in Odia. It relates to our demand to the Central Government to establish an Indian Maritime University campus in Odisha.

*"Sir, the Indian Maritime University was established under the Indian Maritime University Act, 2008. The University was established to facilitate and promote maritime studies and research, and to achieve excellence in areas of marine science and technology, marine environment and other related fields. It has six campuses in Chennai, Kochi, Kolkata, Mumbai port, Navi Mumbai and Visakhapatnam. These three campuses are doing good work. Odisha has a vast coastline of 480 kilometers. This coastline has many ports and land has been earmarked for fourteen more ports. Odisha has a rich and acclaimed maritime history. In ancient times, Odisha had overseas trade relations with many South Asian countries. Sir, the hon. Prime

* English translation of the original speech delivered in Odia.